

प्रेषक

डा० हेमलता ढौडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 04 जुलाई, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय हेतु बचनबद्ध मदों में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 एवं शासनादेश संख्या 808/VII-II-09/69-उद्योग/2006, दिनांक 09 अप्रैल 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनेतर पक्ष के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय के बचनबद्ध मदों की समस्त धनराशि (दिनांक 01 अप्रैल 2009 से 31 जुलाई 2009 तक लेखानुदान की धनराशि को सम्मिलित करते हुए) निम्न विवरणानुसार रु० 976.80 लाख (रु० नौ करोड़ छियत्तर लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

03-अधिष्ठान व्यय :-

कोड/मद का नाम	आवृत्त धनराशि (हजार रु० में)
01-पेंशन	70000
03-महगाई भत्ता	17500
06-अन्य भत्ते	7700
08-कार्यालय व्यय	400
09-विद्युत देय	300
10-जलकर/जल प्रभार	50
13-टेलीफोन पर व्यय	280
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और मेट्रो आदि की खरीद	400
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	250
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	800
योग-	97680
(रु० नौ करोड़ छियत्तर लाख अस्सी हजार मात्र)	

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैन्युअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-126 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत

कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का निधनरण करेगा।

3- उक्त धनराशि मात्र बचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है। अवचनबद्ध मदों में धनराशि स्वीकृति हेतु प्रस्ताव औचित्य सहित शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा, ताकि वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करते हुए उक्त मदों में धनराशि शीघ्र अवमुक्त की जा सके।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में इंगित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31 मार्च 2010 तक कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

6- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैन्युअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाये।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 102-सघु उद्योग, 00-आयोजनेतर, 03-अधिष्ठान मद अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1744(1)/VII-II-09/69-उद्योग/2006 तद् दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/कोषाधिकारी देहरादून।
4. अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।